Subject :- Sociology Date :- 16/04/2020

Class :- D-II (H) Paper :- 4th (Social Research Methods)

Topic :- सामाजिक अनुसंधान एवं सामाजिक सर्वेक्षण

By :- डॉ श्यामानंद चौधरी अतिथि शिक्षक
मारवाड़ी महाविद्यालय, दरभंगा, 9507911619

online study material No :- (39)

सामाजिक अनुसंधान

सामाजिक घटनाक्रम की वास्तविकताओं को समझने के लिए, उनके बारे में ज्ञान प्राप्त करने के लिए जब उनका वैज्ञानिक पद्धति के अन्तर्गत अध्ययन किया जाता है तो उसे सामाजिक अनुसंधान कहते हैं। परन्तु अपने ज्ञान को वैज्ञानिक ज्ञान की कोटि में रखने के लिए आवश्यक है कि उनमें वैज्ञानिक अनुसंधान के दो तत्वों का समावेश हो - (क) निरीक्षण : इस प्रक्रिया द्वारा हम सामाजिक घटनाओं को प्रत्यक्ष रूप से देखते हैं और उनके बारे में ज्ञान प्राप्त करते हैं तथा (ख) कार्य : कारण सम्बन्धों के आधार पर सामाजिक घटनाओं का अध्ययन विश्लेषण करना। हमारे अध्ययन में जब ये दोनों तत्व शामिल होते हैं, उसे सामाजिक अनुसंधान कहा जाता है।

विभिन्न विचारकों ने सामाजिक अनुसंधान की भिन्न-भिन्न परिभाषाएँ प्रस्तुत की है। कुछ प्रमुख परिभाषा निम्नलिखित है :-

श्रीमती यंग ने सामाजिक अनुसंधान को इस प्रकार परिभाषित किया है- "सामाजिक अनुसंधान एक ऐसी वैज्ञानिक योजना है जिसका उद्देश्य तार्किक तथा क्रमबद्ध विधियों के द्वारा नवीन या प्राचीन तथ्यों को ज्ञात करना और उनकी क्रमबद्धताओं, अन्तर्सम्बन्धों के कारणों की व्यवस्थाओं तथा उनको संचालित करनेवाले स्वाभाविक नियमों का विश्लेषण करता है।"

Scanned with CamScanner

(2) श्री सी० एम० मोजर ने सामाजिक अनुसंधान की परिभाषा इस प्रकार दी है- "सामाजिक घटनाओं एवं समस्याओं के सम्बन्ध में नवीन ज्ञान की प्राप्ति के लिए किये गये व्यवस्थित अनुसंधान को हम सामाजिक अनुसंधान कहते है।"

श्री जी० एम० फिशर के शब्दों में- "किसी समस्या को हल करने या एक प्राकल्पना की परीक्षा करने या नये घटनाक्रमों या उसमें नये सम्बन्धों को खोजने के उद्देश्य से उपयुक्त पद्धतियों का सामाजिक परिस्थिति में जो प्रयोग किया जाता है उसे सामाजिक अनुसंधान कहते हैं।"

उपरोक्त परिभाषाओं से स्पष्ट होता है कि सामाजिक अनुसंधान एक व्यवस्थित तथा गहन छानबीन है। इसे नवीन तथा प्राचीन तथ्यों को ज्ञात करने के उद्देश्य से प्रयुक्त किया जाता है। सामाजिक होने के नाते इसका सम्बन्ध केवल सामाजिक घटनाओं के अध्ययन तक ही सीमित रहता है।

सामाजिक सर्वेक्षण

सामाजिक सर्वेक्षण का कोई शास्त्रीय अर्थ जो सार्वभौमिक हो, प्रस्तुत करना एक कठिन कार्य है। व्यावहारिक रूप में सर्वेक्षण के अन्तर्गत हम क्या करते हैं तथा कैसे इसका विकास हुआ है, इन सभी बातों को ध्यान में रखकर ही हम सर्वेक्षण का अर्थ निकाल सकते हैं।

विभिन्न विद्वानों ने सामाजिक सर्वेक्षण की परिभाषा भिन्न-भिन्न प्रकार से दी है - मार्क्स एब्राम्स के अनुसार- "सामाजिक सर्वेक्षण वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा समाज के गठन और क्रियाओं के सम्बन्ध में गणनात्मक तथ्यों का संकलन किया जाता है।"

बोगार्डस ने सामाजिक सर्वेक्षण की परिभाषा इस प्रकार दी है- "विस्तृत रूप से किसी विशेष समुदाय के आवास तथा कार्य की दशाओं के सम्बन्ध में तथ्यों का

Scanned with CamScanner

संकलन करना, सर्वेक्षण है।"

वेन्स के अनुसार- "श्रमिक वर्ग की निर्धनता समुदाय की प्रकृति और समस्याओं सम्बन्धी तथ्य खोजने वाला अध्ययन ही सामाजिक सर्वेक्षण है।"

सामाजिक अनुसंधान एवं सामाजिक सर्वेक्षण में अन्तर

1. उद्देश्यों में :- सामाजिक सर्वेक्षण मुख्यत: समस्याओं के समाधान एवं जीवन-दशाओं में सुधार लाने के उद्देश्य से किये जाते हैं। सामाजिक अनुसंधान का व्यावहारिक महत्व कम होता है।
2. अध्ययन क्षेत्र में :- सामाजिक सर्वेक्षण का अध्ययन क्षेत्र सीमित होने के कारण किसी विशेष व्यक्ति विशेष समस्या या परिस्थिति से सम्बन्धित होता है।

सामाजिक अनुसंधान सामान्य एवं अमूर्त घटनाओं तक का अध्ययन करता है। इस प्रकार इसका अध्ययन क्षेत्र व्यापक है।

3. विषय-वस्तु में :- सामाजिक सर्वेक्षण में प्रमुख रूपसे व्यष्टिगत सामाजिक समस्याओं का ही अध्ययन किया जाता है।

सामाजिक अनुसंधान में सामाजिक घटनाओं तथा सामाजिक व्यवहार का अधिक अध्ययन किया जाता है।

4. प्रकृति में :- सामाजिक सर्वेक्षण की प्रकृति मुख्यत: व्यावहारिक है।

सामाजिक अनुसंधान की प्रकृति मुख्यत: सैद्धान्तिक होता है।

5. संगठन में :- सामाजिक सर्वेक्षण किसी अध्ययन दल द्वारा किया जाता है।

सामाजिक अनुसंधान अधिकांशत: व्यक्तिगत रूप में ही होता है।

6. उपकल्पना में :- सामाजिक सर्वेक्षण में उपकल्पना अनिवार्य नहीं है। अनेक सर्वेक्षण उपकल्पनाओं के निर्माण के लिए ही किये जाते हैं।

Scanned with CamScanner

(4)

सामाजिक अनुसंधान में उपकल्पना का होना अनिवार्य है। वस्तुतः सामाजिक अनुसंधान का आधार उपकल्पना ही है।

7. अध्ययन की गहनता में :- सामाजिक सर्वेक्षण द्वारा प्राथमिक अध्ययन ही होता है।

सामाजिक अनुसंधान सर्वेक्षण से अधिक गहन एवं सूक्ष्म होता है।

8. समय के महत्व में :- सामाजिक सर्वेक्षण मुख्यतः तात्कालिक समस्याओं के अध्ययन से सम्बन्धित है।

सामाजिक अनुसंधान का सम्बन्ध मुख्यतः दूरभाषी नियंत्रण से है।

S.N. Choudhary
Guest Teacher, Deptt. of Sociology
Marwari college, Darbhanga